खण्ड-394, अंक-1
मंगलवार, 19 पौष, शक संवत् 1911
(9 जनवरी, 1990 ई0)

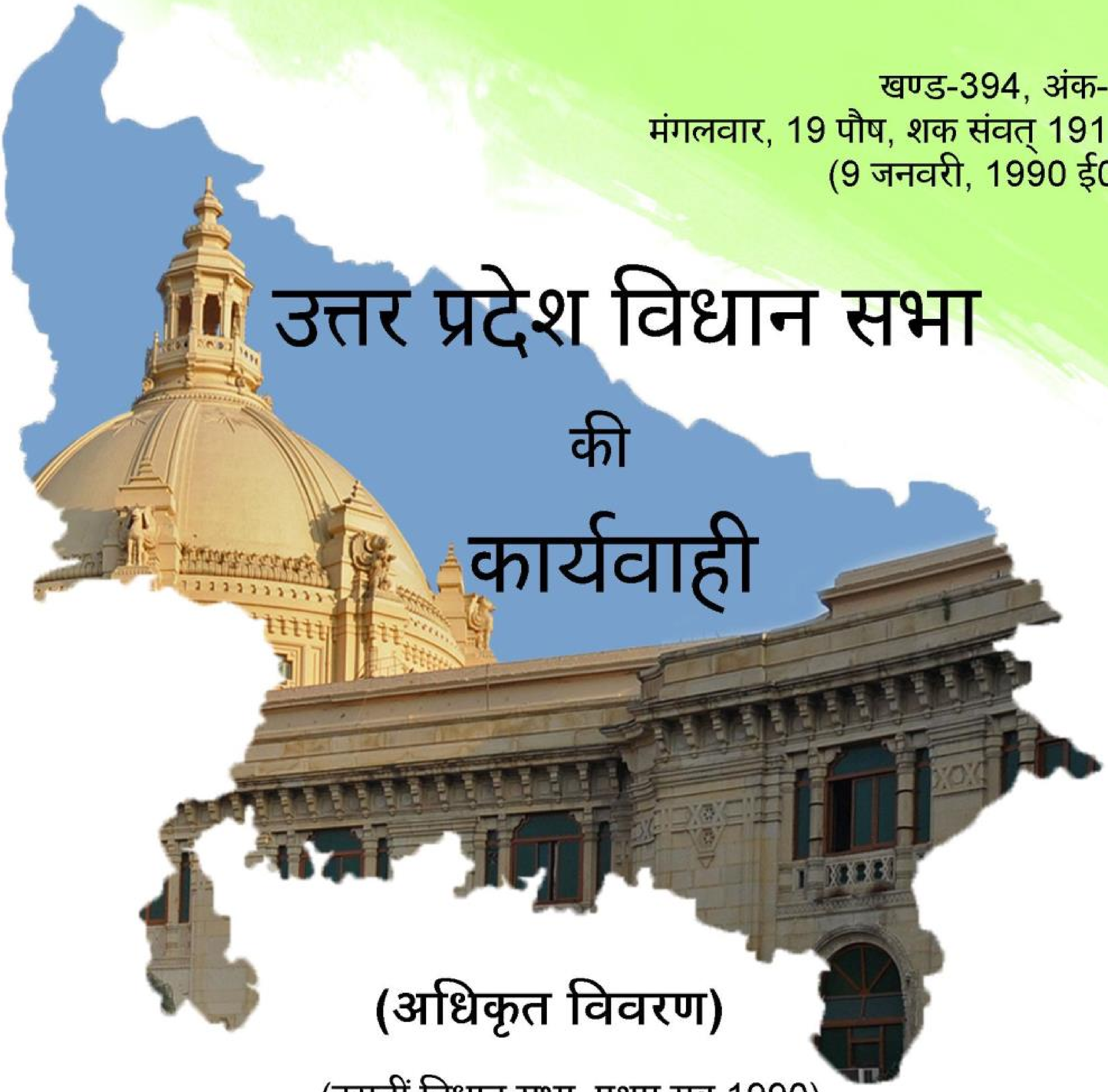

उत्तर प्रदेश विधान सभा

की

कार्यवाही

(अधिकृत विवरण)

(दसवीं विधान सभा, प्रथम सत्र 1990)

खण्ड 394 में 7 अंक है

उत्तर प्रदेश विधान सभा सचिवालय (कार्यवाही अनुभाग) द्वारा प्रकाशित

मुद्रक:
निदेशक, राजकीय मुद्रण एवं लेखन सामग्री, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (भारत)
1990

मूल्य : बिना महसूल 25 पैसे, महसूल सहित 31 पैसे |
वार्षिक चन्दा : बिना महसूल 10 रुपये, महसूल सहित 12 रुपये |

विषय-सूची

विषय	पृष्ठ संख्या
विधान सभा के सदस्य, राज्यपाल, मंत्रिपरिषद्, नेता विरोधी दल, उत्तर प्रदेश विधान सभा के पदाधिकारी तथा अधिष्ठाता मण्डल	क–ज
उपस्थित सदस्य	झ–ट
श्री नियाज हसन, सदस्य, विधान सभा की कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में नियुक्ति की सूचना	1
विधान सभा के अध्यक्ष का निर्वाचन तथा नव-निर्वाचित अध्यक्ष, श्री हरी किशन को बधाई	1–10

विधान सभा सचिवालय, उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश विधान सभा

उत्तर प्रदेश दशम् विधान सभा के सदस्यों की सूची

अकबर अली, श्री	जालौन
अकबर हुसैन बाबर, श्री	फैजाबाद
अकबाल हसन उर्फ अकबाल हुसैन, श्री	गोण्डा
अख्तर, श्री	गाजियाबाद
अचल सिंह, श्री	फतेहपुर
अजय प्रताप सिंह उर्फ लल्ला भइया, श्री	गोण्डा
अतर सिंह यादव, श्री	एटा
अतीक अहमद, श्री	इलाहाबाद
अनवार मोहम्मद खां, श्री	फर्रुखाबाद
अनिल कुमार भारद्वाज, श्री	रामपुर
अनिल कुमार सिंह यादव, श्री	एटा
अनुग्रह नारायण सिंह, श्री	इलाहाबाद
अफजाल अंसारी, श्री	गाजीपुर
अमरनाथ यादव, श्री	वाराणसी
अमरपाल सिंह, श्री	मेरठ
अमर मणी, श्री	महाराजगंज
अमरेश चन्द्र पाण्डेय, श्री	मऊ
अमीर आलम खां, श्री	मुजफ्फरनगर
अरविन्द कुमार, श्री	ललितपुर
अरिदमन सिंह, श्री	आगरा
अरुण कुमार, श्री	फैजाबाद
अरुण कुमार सिंह मुन्ना, श्री	जौनपुर
अरुण प्रताप सिंह, श्री	प्रतापगढ़
अर्जुन सिंह यादव, श्री	जौनपुर
अवधेश प्रसाद, श्री	फैजाबाद
अशोक कुमार, श्री	बिजनौर
अशोक कुमार चन्देल, श्री	हमीरपुर
अशोक पाण्डेय, श्री	सुल्तानपुर
अशोक कुमार सिंह, श्री	उन्नाव
अशोक कुमार सिंह, श्री	रायबरेली
अशोक बाजपेयी, श्री	हरदोई
असगर, श्री	देवरिया
अहिबरन, श्री	शाहजहांपुर
इन्दल सिंह चौहान, श्री	मैनपुरी
इन्द्र प्रताप सिंह, श्री	बहराइच
इन्द्र भद्र सिंह, श्री	सुल्तानपुर
इन्द्रेश विक्रम, श्री	रायबरेली
इम्तियाज मोहम्मद खां, श्री	बुलन्दशहर
ईश्वर शरण विद्यार्थी, श्री	इलाहाबाद
उमाकान्त बाजपेयी, श्री	फतेहपुर
उमानाथ, श्री	जौनपुर
ऊदल, श्री	वाराणसी
एदेल सिंह, श्री	बुलन्दशहर
ओंकार सिंह, श्री	एटा
ओम प्रकाश, श्री	गोरखपुर
ओम प्रकाश यादव, श्री	मुरादाबाद
ओम प्रकाश गुप्ता, श्री	सीतापुर
ओम प्रकाश दिवाकर, श्री	फिरोजाबाद
ओम प्रकाश सिंह, श्री	गाजीपुर
कप्तान सिंह, श्री	फर्रुखाबाद
कमल नयन वर्मा, श्री	रायबरेली
कमला साहनी, श्रीमती	सिद्धार्थनगर
कमाल अहमद रिजवी, श्री	खीरी
करन चन्द्र सिंह, श्री	नैनीताल
करन सिंह, श्री	मुरादाबाद
कल्यान सिंह, श्री	अलीगढ़
कल्याण सिंह दोहरे, श्री	फर्रुखाबाद
काजी मो0 मोहिउद्दीन, श्री	हरिद्वार
कालीचरण, श्री	मिर्जापुर
काशी प्रसाद, श्री	हमीरपुर
काशी सिंह एरी, श्री	पिथौरागढ़
कासिम अली, श्री	देवरिया
किरनपाल सिंह, श्री	बुलन्दशहर
किशन गोपाल, श्री	आगरा
किशन सिंह तड़ागी, श्री	नैनीताल
किशोरी श्याम, श्री	मथुरा
कुंवर रेवती रमण सिंह उर्फ मणि जी,	इलाहाबाद
कुंवर सिंह नेगी, श्री	चमोली
कृपा शंकर आर्य, श्री	देवरिया
कृष्ण किंकर सिंह, श्री	बस्ती
कृष्ण कुमार नतमान, श्री	अलीगढ़
कृष्ण स्वरूप वैश्य, श्री	बदायूं
केदारनाथ सिंह, श्री	गोरखपुर

अविमुक्त प्रतिलिपि

केशरी नाथ त्रिपाठी, श्री	इलाहाबाद
केशव प्रसाद, श्री	महाराजगंज
खुर्शीद, श्री	गाजीपुर
गंगाभक्त सिंह, श्री	हरदोई
गंगाराम, श्री	बुलन्दशहर
गंजीप्रसाद, श्री	वाराणसी
गजराज सिंह, श्री	गाजियाबाद
गणेश दीक्षित, श्री	कानपुर
गनपति सिंह, श्री	महाराजगंज
गया प्रसाद वर्मा, श्री	इटावा
गुलाब सिंह, श्री	देहरादून
गुलाब सिंह, श्री	मिर्जापुर
गेन्दल लाल गंगवार, श्री	बरेली
गोपाल रामदास, श्री	अल्मोड़ा
गोपीनाथ वर्मा, श्री	फैजाबाद
गोमती यादव, श्री	आजमगढ़
गोवर्धन सिंह, श्री	एटा
गौरी देवी, श्रीमती	गोरखपुर
गौरी शंकर भइया, श्री	बलिया
चन्द्रकली वर्मा, श्रीमती	सीतापुर
चन्द्रपाल सिंह, श्री	मुरादाबाद
चन्द्रभान मौर्य, श्री	आगरा
चन्द्रभान सिंह, श्री	बांदा
चन्द्रमणि कान्त सिंह, श्री	बहराइच
चन्द्रविजय सिंह, श्री	मुरादाबाद
चन्द्र शेखर सिंह, श्री	वाराणसी
चन्द्र शेखर सिंह, श्री	बस्ती
चरण सिंह, श्री	मेरठ
चेतराम, श्री	शाहजहांपुर
चैनसुख भारती, श्री	जालौन
चौधरी शंकर सिंह, श्री	जालौन
छन्नू लाल शास्त्री, श्री	वाराणसी
छेदा लाल चौधरी, श्री	खीरी
छोटे लाल, श्री	खीरी
जगदीश चन्द्रा, डा0	लखनऊ
जगदीश लाल, श्री	महराजगंज
जगमोहन सिंह यादव, श्री	मैनपुरी
जगराम सिंह, श्री	मुरादाबाद
जगवीर सिंह, श्री	अलीगढ़
जनार्दन प्रसाद आभा, श्री	महराजगंज
जफर अली नकवी, श्री	खीरी
जमुना प्रसाद बोस, श्री	बांदा
जय प्रताप सिंह, श्री	सिद्धार्थनगर
जयराज गौतम, श्री	सुल्तानपुर
जयशंकर पाण्डेय, श्री	फैजाबाद
जय सिंह यादव, श्री	प्रतापगढ़
जसवन्त सिंह विष्ट, श्री	अल्मोड़ा
जागेश्वर, श्री	फतेहपुर
जी0 एस0 विनोद, श्री	मुजफ्फरनगर
जौहरी लाल त्रिवेदी, श्री	कानपुर
ज्ञानेन्द्र स्वरूप, श्री	मथुरा
ज्वाला प्रसाद यादव, श्री	जौनपुर
झग्गड़ सिंह, श्री	मेरठ
तीरथराज, श्री	सोनभद्र
दया राम भास्कर, श्री	आजमगढ़
दयाशंकर, श्री	वाराणसी
दशरथ सिंह, श्री	गोण्डा
दिनेश जौहरी, डा0	बरेली
दिवाकर विक्रम सिंह, श्री	सिद्धार्थनगर
दीपचन्द्र सोनकर, श्री	जौनपुर
दीपनारायण, श्री	आजमगढ़
दुर्गा प्रसाद यादव, श्री	आजमगढ़
देवकी नन्दन, श्री	उन्नाव
देवकुमार यादव, श्री	बांदा
देवी प्रसाद, श्री	बहराइच
देवेन्द्र कुमार सिंह, श्री	ललितपुर
देवेन्द्र सिंह, श्री	एटा
दौलतराम, श्री	बदायूं
दौलतराम, श्री	सीतापुर
धनीराम वर्मा, श्री	इटावा
धर्मज्ञ मिश्र, श्री	हरदोई
धर्मपाल, श्री	बहराइच
धर्मपाल, श्री	बुलन्दशहर
धर्मवीर सिंह, श्री	मुजफ्फरनगर
नकली सिंह, श्री	मुजफ्फरनगर
नजमुद्दीन, श्री	इलाहाबाद
नरेन्द्रपाल सिंह, श्री	बरेली
नरेन्द्र सिंह, श्री	मेरठ

सत्यमेव जयते संसद

नरेन्द्र सिंह भण्डारी, श्री	गढ़वाल
नरेश चन्द्र अग्रवाल, श्री	हरदोई
नरेश चन्द्र उत्तम, श्री	फतेहपुर
नारायण दत्त तिवारी, श्री	नैनीताल
नियाज हसन, श्री	प्रतापगढ़
निरवेन्द्र कुमार, श्री	खीरी
निहाला सिंह, श्री	वाराणसी
नेमपाल सिंह, श्री	बुलन्दशहर
पंचानन राय, श्री	आजमगढ़
पद्मा सेठ, श्रीमती	सीतापुर
परमाई लाल, श्री	हरदोई
परवेज हलीम खान, श्री	मेरठ
प्रागी लाल अहिरवार, श्री	झांसी
पारसनाथ यादव, श्री	जौनपुर
पुर्णवासी, श्री	देवरिया
पुष्पादेवी, श्रीमती	बदायूं
प्यारेलाल शंखवार, श्री	कानपुर देहात
प्रदीप कुमार यादव, श्री	बाराबंकी
प्रभु दयाल यादव, श्री	कानपुर देहात
प्रभुदयाल प्रधान, श्री	मेरठ
प्रमोद कुमार, श्री	प्रतापगढ़
प्रवीण सिंह एरेन, श्री	बरेली
प्रेम प्रकाश उर्फ जिप्पी तिवारी, श्री	सिद्धार्थनगर
प्रेमवती तिवारी, श्रीमती	लखनऊ
फकीरे लाल वर्मा, श्री	फर्रुखाबाद
फौजदार, श्री	मऊ
बंशीधर, श्री	रामपुर
बदन सिंह, श्री	आगरा
बरफिया लाल जुंवाठा, श्री	उत्तर काशी
बलराम यादव, श्री	आजमगढ़
बलबीर सिंह, श्री	टिहरी गढ़वाल
बल्देव सिंह, श्री	बिजनौर
बसन्त लाल गुप्ता, श्री	लखनऊ
बहादुर सिंह, श्री	आगरा
बाबूराम यादव, श्री	मैनपुरी
बाबूलाल, श्री	हमीरपुर
बाबूलाल सरोज, श्री	प्रतापगढ़
बाबू सिंह, श्री	अलीगढ़
बालचन्द्र मिश्रा, श्री	कानपुर
बृजभूषण मणि त्रिपाठी, डा0	फैजाबाद
बृजेन्द्र सिंह, श्री	अलीगढ़
बेनीप्रसाद वर्मा, श्री	बाराबंकी
ब्रह्मा शंकर, श्री	देवरिया
भगवानदीन कुशवाहा, श्री	कानपुर देहात
भगवान सिंह शाक्य, श्री	बदायूं
भारत सिंह रावत, श्री	गढ़वाल
भूधर नारायण मिश्र, श्री	कानपुर
भूपेन्द्र नाथ शर्मा, श्री	बरेली
भोपाल सिंह, श्री	मेरठ
भोलानाथ, श्री	बलिया
भोला सिंह, श्री	इलाहाबाद
मंजूर, श्री	बरेली
मंत्री प्रसाद नैथानी, श्री	टिहरी गढ़वाल
मण्डलेश्वर, श्री	आगरा
मदन गोविन्द राव,	देवरिया
मनोहर लाल, श्री	उन्नाव
मयंकर सिंह, श्री	बहराइच
मस्तराम, श्री	उन्नाव
महाराज सिंह यादव, श्री	इटावा
महावीर, श्री	मुजफ्फरनगर
महावीर सिंह राणा, श्री	सहारनपुर
महेन्द्र प्रताप सिंह, श्री	इलाहाबाद
महेन्द्र सिंह, श्री	पिथौरागढ़
महेन्द्र सिंह भाटी, श्री	गाजियाबाद
माता प्रसाद पाण्डेय, श्री	सिद्धार्थनगर
माधव, श्री	एटा
मारकण्डेय चन्द्र, श्री	गोरखपुर
मास्टर कंवर पाल, श्री	सहारनपुर
मिठाई लाल शास्त्री, श्री	गोरखपुर
मीर मजहर अली उर्फ नन्हे मियां, श्री	बदायूं
मुंशी लाल, श्री	इटावा
मुईद अहमद, श्री	सुल्तानपुर
मुक्तिनाथ, श्री	देवरिया
मुख्तार अनीस, श्री	सीतापुर

मुरलीधर मुनीम, श्री	गोण्डा
मुलायम सिंह यादव, श्री	इटावा
मुस्तमन्द अली खां, श्री	मथुरा
मुहम्मद सईद "भ्रमर", श्री	सिद्धार्थनगर
मूलचंद, श्री	वाराणसी
मोतीलाल देहलवी, श्री	कानपुर देहात
मोबीन अहमद आजमी, श्री	मऊ
मोहम्मद असलम खां, श्री	सहारनपुर
मोहम्मद आजम खां, श्री	रामपुर
मोहम्मद उल्लाह, श्री	मुरादाबाद
मोहम्मद रिजवानुल हक, श्री	मुरादाबाद
मो0 हयात, श्री	मुरादाबाद
यदुनाथ सिंह, श्री	मिर्जापुर
यशपाल, श्री	नैनीताल
यशवंत, श्री	आजमगढ़
युवराज सिंह, श्री	हमीरपुर
योगेन्द्र कुमार, श्री	बदायूं
रघुनाथ सिंह वर्मा पटेल, श्री	फिरोजाबाद
रघुराज प्रसाद उपाध्याय, श्री	गोण्डा
रघुबर दयाल वर्मा, श्री	फिरोजाबाद
रणजीत सिंह, श्री	देहरादून
रणजीत सिंह जूदेव, श्री	झांसी
रतनलाल, श्री	झांसी
रतनलाल उर्फ दीना, श्री	बाराबंकी
रमाकान्त, श्री	आजमगढ़
रमापति शास्त्री, श्री	गोण्डा
रमेश करन, श्री	अलीगढ़
रविकान्त गर्ग, श्री	मथुरा
रविदास मेहरोत्रा, श्री	लखनऊ
रवीन्द्र कुमार सिंह, श्री	गाजीपुर
रवीन्द्र नाथ तिवारी, श्री	फैजाबाद
रवीन्द्र राघव उर्फ पप्पन, श्री	बुलन्दशहर
रवीन्द्र शुक्ल, श्री	झांसी
रवीन्द्र सिंह चौहान, श्री	इटावा
राकेश कुमार पालीवाल, श्री	फिरोजाबाद
राकेश धर त्रिपाठी, श्री	इलाहाबाद
राजकिशोर सिंह, श्री	वाराणसी
राजधारी, श्री	बलिया
राजनाथ सोनकर शास्त्री, श्री	गाजीपुर
राजपति, श्री	जौनपुर
राजपति देवी, श्रीमती	सुल्तानपुर
राजपाल त्यागी, श्री	गाजियाबाद
राजमणि पाण्डेय, श्री	बस्ती
राजा मो0 अमीर मोहम्मद खां, श्री	सीतापुर
राजित प्रसाद यादव, श्री	वाराणसी
राजीव कुमार सिंह, श्री	बाराबंकी
राजेन्द्र कुमार गुप्ता, श्री	सीतापुर
राजेन्द्र त्रिपाठी, श्री	इलाहाबाद
राजेन्द्र सिंह, श्री	हमीरपुर
राजेश्वर बंसल, श्री	मुजफ्फरनगर
राधेश्याम भारतीय, श्री	इलाहाबाद
रामआसरे अग्निहोत्री, श्री	कानपुर
राम आसरे पासवान, श्री	बस्ती
राम औतार दीक्षित, श्री	हरदोई
राम औतार मिश्र, श्री	शाहजहांपुर
रामकरन आर्य, श्री	बस्ती
रामकुमार वर्मा, श्री	खीरी
राम कुमार शुक्ल, श्री	लखनऊ
राम गोविन्द चौधरी, श्री	बलिया
राम चन्द्र बख्श सिंह, श्री	बाराबंकी
राम छबीला, श्री	देवरिया
राम तेज, श्री	बहराइच
राम दुलारे सिंह, श्री	इलाहाबाद
रामधनी, श्री	गाजीपुर
रामपाल वर्मा, श्री	हरदोई
रामपाल सिंह एडवोकेट, श्री	गोण्डा
राम प्रसाद देशमुख, श्री	अलीगढ़
राम प्रसाद सिंह, श्री	बांदा
राम बख्श वर्मा, श्री	फर्रुखाबाद
राम बचन, श्री	आजमगढ़
राम बचन धूसिया, श्री	बलिया
राममूर्ति, श्री	शाहजहांपुर
रामरति विन्द, श्री	वाराणसी
राम लखन यादव, श्री	प्रतापगढ़
राम लखन वर्मा, श्री	फैजाबाद
राम ललित, श्री	बस्ती
राम विशुन आजाद, श्री	गोण्डा
राम शरन, श्री	सहारनपुर

उत्तर प्रदेश संसद

राम सरन सिंह, श्री	अलीगढ़
राम सिंह सैनी, श्री	हरिद्वार
राम सेवक, श्री	सुल्तानपुर
राम सेवक सिंह, श्री	बदायूं
राम स्वरूप वर्मा, श्री	कानपुर
रामेश्वर दयाल बाल्मीकी, श्री	मैनपुरी
रामेश्वरी, श्रीमती	बिजनौर
राय लक्ष्मी नारायन सिंह, श्री	जौनपुर
रिजवान जहीर उर्फ रिज्जू, श्री	गोण्डा
रिफाकत हुसैन, श्री	मुरादाबाद
रियाज अहमद, श्री	पीलीभीत
रुद्र प्रसाद, श्री	मिर्जापुर
रेशमा आरिफ, श्रीमती	कानपुर
लक्ष्मी कान्त बाजपेयी, श्री	मेरठ
लटूरी सिंह, श्री	एटा
लालझारी देवी, श्रीमती	देवरिया
लालता प्रसाद यादव, श्री	जौनपुर
विक्रमादित्य, श्री	बलिया
विजय लक्ष्मी, श्रीमती	बलिया
विजय सिंह, श्री	सोनभद्र
विजय सिंह राणा, श्री	आगरा
विनोद कुमार चौधरी, श्री	लखनऊ
विपिन बिहारी, श्री	हरदोई
विमल प्रसाद तिवारी, श्री	फर्रुखाबाद
विमला राकेश, श्रीमती	सहारनपुर
विशुन दयाल, श्री	बहराइच
विश्राम दास, श्री	इलाहाबाद
विश्वनाथ सिंह, श्री	देवरिया
वीर अभिमन्यु सिंह, श्री	फतेहपुर
वीरेन्द्र कुमार चौधरी, श्री	सीतापुर
वीरेन्द्र नाथ दीक्षित, श्री	कानपुर
वीरेन्द्र सिंह सोलंकी, श्री	एटा
वीरेन्द्र सिंह, श्री	गाजीपुर
वीरेन्द्र सिंह, श्री	मुजफ्फरनगर
वीरेन्द्र सिंह, श्री	सहारनपुर
वीरेन्द्र सिंह, श्री	हरिद्वार
शतरुद्र प्रकाश, श्री	वाराणसी
शफीकुर्रहमान बर्क, श्री	मुरादाबाद
शमी (शमीम) अहमद खां, डा0	मुरादाबाद
शर्मेन्द्र त्यागी, श्री	मुरादाबाद
शारदा देवी, श्रीमती	गोरखपुर
शारदानन्द अंचल, श्री	बलिया
शारदा प्रसाद रावत, श्री	गोरखपुर
शारदा प्रताप शुक्ल, श्री	लखनऊ
शिवकरन सिंह, श्री	बाराबंकी
शिव कुमार बेरिया, श्री	कानपुर
शिव दर्शन, श्री	रायबरेली
शिव प्रताप शुक्ल, श्री	गोरखपुर
शिव बहादुर सक्सेना, श्री	रामपुर
शिव बालक पासी, श्री	रायबरेली
शिवराज सिंह चौहान, श्री	मैनपुरी
शिवराम सिंह कुशवाहा, श्री	जालौन
शिवानन्द नौटियाल, डा0	चमोली
शैलेन्द्र कुमार, श्री	इलाहाबाद
श्याम देव राय चौधरी (दादा), श्री	वाराणसी
श्याम नारायण तिवारी, श्री	गोरखपुर
श्याम बिहारी सिंह, श्री	बरेली
श्याम लाल रावत, श्री	सीतापुर
श्याम सुन्दर शर्मा, श्री	मथुरा
श्री प्रकाश उर्फ ज्ञानू, श्री	आजमगढ़
श्री राम चौहान, श्री	बस्ती
संगम लाल शुक्ला, श्री	प्रतापगढ़
संत बख्श रावत, श्री	लखनऊ
संत श्रीराम द्विवेदी, श्री	फैजाबाद
सन्तोष कुमारी पाठक, श्रीमती	बदायूं
सच्चिदानन्द बाजपेयी, श्री	उन्नाव
सत्य प्रकाश विकल, श्री	आगरा
सत्य प्रकाश सोनकर, श्री	वाराणसी
सन्नू लाल, श्री	पीलीभीत
समीउल्ला, श्री	गोण्डा
सरजीत सिंह डंग, डा0	मिर्जापुर
सरदार सिंह, श्री	मथुरा
सरस्वती तिवारी, श्रीमती	अल्मोड़ा
सरस्वती प्रताप सिंह, श्री	खीरी
सर्वराज सिंह, कुंवर	बरेली
सावित्री देवी, श्रीमती	जौनपुर
साहब सिंह, श्री	मेरठ
सिया दुलारी, श्रीमती	बांदा

अवधि पूर्व सभा

सियाराम सागर, डा0	बरेली
सुखदा मिश्रा, श्रीमती	इटावा
सुखवीर सिंह, श्री	बिजनौर
सुखवीर सिंह गहलौत, श्री	गाजियाबाद
सुन्दर लाल, श्री	उन्नाव
सुन्दर लाल, श्री	बाराबंकी
सुबास, श्री	मऊ
सुरेन्द्र कुमार उर्फ मुन्नी, श्री	गाजियाबाद
सुरेन्द्र कुमार दुबे, श्री	हरदोई
सुरेन्द्र पाल वर्मा, डा0	बांदा
सुरेन्द्र प्रताप नारायण पाण्डेय, श्री	बस्ती
सुरेन्द्र विक्रम सिंह, श्री	शाहजहांपुर
सुरेन्द्र सिंह, श्री	बिजनौर
सुरेन्द्र सिंह चौहान, श्री	अलीगढ़
सुरेश कुमार खन्ना, श्री	शाहजहांपुर
सुरेश चन्द्र सिंह यादव, श्री	फर्रुखाबाद
सुरेश प्रताप सिंह गांधी, श्री	अलीगढ़
सुरेश यादव, श्री	देवरिया
सुलेमान, श्री	बिजनौर
सूर्यभान सिंह, श्री	सुल्तानपुर
सैय्यद लियाकत हुसैन, श्री	फतेहपुर
सोमांश प्रकाश, श्री	मुजफ्फरनगर
स्वामी नाथ, श्री	देवरिया
हनुमन्त सिंह, श्री	गोण्डा
हरदेव सिंह, श्री	बाराबंकी
हर नारायण सिंह, श्री	पीलीभीत
हर नारायण सिंह, श्री	रायबरेली
हर फूल सिंह, श्री	सहारनपुर
हरवंश सहाय, श्री	देवरिया
हरी किशन, श्री	कानपुर देहात
हरिचरन यादव, श्री	सुल्तानपुर
हरद्वार दुबे, एडवोकेट	आगरा
हरिवंश कपूर, श्री	देहरादून
हरि शंकर तिवारी, श्री	गोरखपुर
हरीश कुमार गंगवार, श्री	पीलीभीत
हरेन्द्र सिंह मलिक, श्री	मुजफ्फरनगर
हाजी मो0 वसीम, श्री	राय बरेली
हृदय नारायण, श्री	उन्नाव
होशियार, श्री	बुलन्दशहर

नोट:– नाम निर्देशित को सम्मिलित करते हुए कुल 6 स्थान रिक्त हैं।

उत्तर प्रदेश विधान सभा

राज्यपाल

श्री मोहम्मद उस्मान आरिफ

मंत्रि-परिषद्

1. श्री मुलायम सिंह यादव,	मुख्य मंत्री एवं प्रभारी सामान्य प्रशासन, प्राविधिक शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योग, नागरिक उड्डयन, वित्त, सांस्कृतिक कार्य, सूचना, पूर्त धर्मस्व, उद्योग, गृह, ऊर्जा, दुग्ध विकास, पशुधन, मत्स्य, कृषि, सार्वजनिक उद्योग ब्यूरो, संस्थागत वित्त, आवास, न्याय एवं विधायिका, सहकारिता, परिवहन, पर्यटन ।
2. कुंवर रेवती रमण सिंह	सिंचाई एवं लघु उद्योग तथा पर्यावरण मंत्री ।
3. श्री बेनी प्रसाद वर्मा	सार्वजनिक निर्माण, संसदीय कार्य एवं आबकारी मंत्री ।
4. श्री राम शरण दास	गन्ना विकास एवं राजस्व मंत्री ।
5. श्री सच्चिदानन्द बाजपेयी	शिक्षा एवं युवा कल्याण मंत्री ।
6. श्री मुख्तार अनीस	जन-स्वास्थ्य एवं चिकित्सा मंत्री ।
7. श्रीमती सुखदा मिश्रा	ग्राम्य विकास एवं पंचायती राज मंत्री ।
8. श्री अवधेश प्रसाद	हरिजन एवं समाज कल्याण मंत्री ।
9. श्री दिवाकर विक्रम सिंह	खाद्य तथा रसद मंत्री ।
10. श्री मोहम्मद आजम खां	श्रम एवं मुस्लिम वक्फ मंत्री ।
11. श्री विक्रमादित्य पाण्डे	नगर विकास मंत्री ।
12. श्री बरफिया लाल जुवांठा	पर्वतीय विकास मंत्री ।
13. श्री मोहम्मद असलम खां	वन एवं खेलकूद मंत्री ।
14. श्री शतरुद्र प्रकाश	नियोजन एवं कारागार मंत्री ।

नेता विरोधी दल

श्री नारायण दत्त तिवारी	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस

उत्तर प्रदेश विधान सभा

उत्तर प्रदेश विधान सभा के पदाधिकारी तथा अधिष्ठाता मण्डल

अध्यक्ष

श्री हरी किशन

उपाध्यक्ष

रिक्त

अधिष्ठाता मण्डल

श्री सन्त बख्श रावत	सदस्य विधान सभा
श्री राजेन्द्र त्रिपाठी	सदस्य विधान सभा
श्री बाबू राम यादव	सदस्य विधान सभा
श्री सैय्यद लियाकत हुसैन	सदस्य विधान सभा
श्री नरेन्द्र सिंह	सदस्य विधान सभा
श्री चौधरी शंकर सिंह	सदस्य विधान सभा
श्री ऊदल	सदस्य विधान सभा
डा0 शिवानन्द नौटियाल	सदस्य विधान सभा
श्री सुरेन्द्र सिंह चौहान	सदस्य विधान सभा
श्री राजेन्द्र कुमार गुप्त	सदस्य विधान सभा

सचिव,

श्री भाल चन्द्र शुक्ल

उत्तर प्रदेश विधान सभा

उत्तर प्रदेश विधान सभा

मंगलवार, दिनांक 9-1-1990

विधान सभा की बैठक, सभा मण्डप, लखनऊ में 11 बजे दिन में कार्यकारी अध्यक्ष श्री नियाज हसन की अध्यक्षता में आरम्भ हुई।

निम्नांकित सदस्यों के अतिरिक्त अन्य सभी सदस्य उपस्थित थे :—

अख्तर, श्री	गाजियाबाद
अतीक अहमद, श्री	इलाहाबाद
अनवार मोहम्मद खां, श्री	फर्रुखाबाद
अनिल कुमार भारद्वाज, श्री	रामपुर
अमरमणि, श्री	महाराज गंज
अमरेश चन्द्र पाण्डेय, श्री	मऊ
अरुण कुमार सिंह, मुन्ना, श्री	जौनपुर
अवधेश प्रसाद, श्री	फैजाबाद
अशोक पाण्डेय, श्री	सुल्तानपुर
अशोक कुमार सिंह, श्री	उन्नाव
अशोक बाजपेई, श्री	हरदोई
असगर, श्री	देवरिया
इन्द्र प्रताप सिंह, श्री	बहराइच
इन्द्र भद्र सिंह श्री	सुल्तानपुर
इन्द्रेश विक्रम, श्री	रायबरेली
इम्तियाज मोहम्मद खां, श्री	बुलन्दशहर
उमाकान्त बाजपेयी, श्री	फतेहपुर
उमानाथ, श्री	जौनपुर
ओंकार सिंह, श्री	एटा
ओम प्रकाश, श्री	गोरखपुर
कप्तान सिंह, श्री	फर्रुखाबाद
कमल नयन वर्मा, श्री	रायबरेली
काजी मो0 मोहिउद्दीन, श्री	हरिद्वार
कालीचरण, श्री	मिर्जापुर
काशी सिंह एरी, श्री	पिथौरागढ़
किरनपाल सिंह, श्री	बुलन्दशहर
कृष्ण किंकर सिंह, श्री	बस्ती
केशरी नाथ त्रिपाठी, श्री	इलाहाबाद
गंगाराम, श्री	बुलन्दशहर
गंजीप्रसाद, श्री	वाराणसी
गजराज सिंह, श्री	गाजियाबाद
गणेश दीक्षित, श्री	कानपुर
गोपाल राम दास, श्री	अल्मोड़ा
गौरी देवी, श्रीमती	गोरखपुर
चन्द्रकली वर्मा, श्रीमती	सीतापुर
छन्नू लाल शास्त्री, श्री	वाराणसी
जगवीर सिंह, श्री	अलीगढ़
जफर अली नकवी, श्री	खीरी
जय प्रताप सिंह, श्री	सिद्धार्थ नगर
जयराज गौतम, श्री	सुल्तानपुर
जय सिंह यादव, श्री	प्रतापगढ़
जौहरी लाल त्रिवेदी, श्री	कानपुर
दया राम भास्कर, श्री	आजमगढ़
दयाशंकर, श्री	वाराणसी
दीपनारायण, श्री	आजमगढ़
देव कुमार यादव, श्री	बांदा
देवेन्द्र सिंह, श्री	एटा
दौलतराम, श्री	बदायूं
धर्मज्ञ मिश्र, श्री	हरदोई
नरेन्द्र सिंह, श्री	मेरठ
नरेश चन्द्र अग्रवाल, श्री	हरदोई
निरवेन्द्र कुमार, श्री	खीरी
पुष्पा देवी, श्रीमती	बदायूं
प्यारेलाल शंखवार, श्री	कानपुर देहात
प्रभू दयाल यादव, श्री	कानपुर देहात
प्रमोद कुमार, श्री	प्रतापगढ़
प्रवीण सिंह एरेन, श्री	बरेली
प्रेम प्रकाश उर्फ जिप्पी तिवारी, श्री	सिद्धार्थ नगर
बरफिया लाल जुवांठ, श्री	उत्तर काशी
बलबीर सिंह, श्री	टिहरी गढ़वाल
बसन्त लाल गुप्ता, श्री	लखनऊ
बाबू लाल, श्री	हमीरपुर

बालचन्द्र मिश्रा, श्री	कानपुर
बृजभूषण मणि त्रिपाठी, श्री	फैजाबाद
ब्रह्मा शंकर, श्री	देवरिया
भगवानदीन कुशवाहा, श्री	कानपुर देहात
भगवान सिंह शाक्य, श्री	बदायूं
भूधर नारायण मिश्र, श्री	कानपुर
मंजूर, श्री	बरेली
मण्डलेश्वर, श्री	आगरा
महाराज सिंह यादव, श्री	इटावा
मुईद अहमद, श्री	सुल्तानपुर
मुरलीधर मुनीम, श्री	गोण्डा
मूलचंद्र, श्री	वाराणसी
मोबीन अहमद आजमी, श्री	मऊ
मोहम्मद असलम खां, श्री	सहारनपुर
मोहम्मद आजम खां, श्री	रामपुर
यशवंत, श्री	आजमगढ़
युवराज सिंह, श्री	हमीरपुर
रणजीत सिंह, श्री	देहरादून
रतनलाल, श्री	झांसी
रवीन्द्र राघव उर्फ पप्पन, श्री	बुलन्दशहर
राकेश कुमार पालीवाल, श्री	फिरोजाबाद
राजनाथ सोनकर शास्त्री, श्री	गाजीपुर
राजपति देवी, श्रीमती	सुल्तानपुर
राजपाल त्यागी, श्री	गाजियाबाद
राजा मो0 अमीर	
मोहम्मद खां, श्री	सीतापुर
राजीव कुमार सिंह, श्री	बाराबंकी
राम अवतार मिश्र, श्री	शाहजहांपुर
राम कुमार शुक्ल, श्री	लखनऊ
राम छबीला, श्री	देवरिया
राम तेज, श्री	बहराइच
रामपाल वर्मा, श्री	हरदोई
रामपाल सिंह एडवोकेट, श्री	गोण्डा
राम विशुन आजाद, श्री	गोण्डा
राम सिंह सैनी, श्री	हरिद्वार
राम सेवक, श्री	सुल्तानपुर
राम स्वरूप वर्मा, श्री	कानपुर
राय लक्ष्मी नारायन सिंह, श्री	जौनपुर
रिजवान जहीर उर्फ रिज्जू, श्री	गोण्डा
रेशमा आरिफ, श्रीमती	कानपुर
लटूरी सिंह, श्री	एटा
विनोद कुमार चौधरी, श्री	लखनऊ
विमल प्रसाद तिवारी, श्री	फर्रुखाबाद
विशुन दयाल, श्री	बहराइच
वीरेन्द्र कुमार चौधरी, श्री	सीतापुर
वीरेन्द्र सिंह सोलंकी, श्री	एटा
वीरेन्द्र सिंह, श्री	मुजफ्फरनगर
वीरेन्द्र सिंह, श्री	हरिद्वार
शमी (शमीम) अहमद खां, डा0	मुरादाबाद
शारदानन्द अंचल, श्री	बलिया
शिवकरन सिंह, श्री	बाराबंकी
शिव कुमार बेरिया, श्री	कानपुर
शिव दर्शन, श्री	रायबरेली
शिव बहादुर सक्सेना, श्री	रामपुर
शिव बालक पासी, श्री	रायबरेली
शिवराज सिंह चौहान, श्री	मैनपुरी
शिवराम सिंह कुशवाहा, श्री	जालौन
श्याम नारायन तिवारी, श्री	गोरखपुर
शिवानन्द नौटियाल, डा0	चमोली
संत बख्श रावत, श्री	लखनऊ
संत श्रीराम द्विवेदी, श्री	फैजाबाद
संतोष कुमारी पाठक, श्रीमती	बदायूं
सन्नू लाल, श्री	पीलीभीत
सुखवीर सिंह, श्री	बिजनौर
सुन्दर लाल, श्री	उन्नाव
सुबास, श्री	मऊ
सुरेन्द्र कुमार उर्फ मुन्नी, श्री	गाजियाबाद
सुरेन्द्र सिंह, श्री	बिजनौर
सूर्यभान सिंह, श्री	सुल्तानपुर
हरदेव सिंह, श्री	बाराबंकी
हर नारायण सिंह, श्री	पीलीभीत
हरिचरन यादव, श्री	सुल्तानपुर
हरिवंश कपूर, श्री	देहरादून
हरिशंकर तिवारी, श्री	गोरखपुर
हाज़ी0 मो0 वसीम, श्री	रायबरेली
हृदय नारायण, श्री	उन्नाव
होशियार, श्री	बुलन्दशहर

अवधी पत्रकार

श्री नियाज हसन, सदस्य, विधान सभा की कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में श्री राज्यपाल द्वारा नियुक्ति की सूचना

सचिव, विधान सभा–

मैं श्री राज्यपाल के निम्नलिखित आदेश दिनांक 12 दिसम्बर, 1989 को पढ़कर सुनाता हूं :–

"भारत का संविधान के अनुच्छेद 180 के खण्ड (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करके मैं, मोहम्मद उस्मान आरिफ, राज्यपाल, उत्तर प्रदेश, श्री नियाज हसन को, जो कि विघटित विधान सभा के अध्यक्ष एवं कुण्डा निर्वाचन क्षेत्र जिला प्रतापगढ़, से विधान सभा के सदस्य हैं, उस समय तक के लिये, जब तक कि संविधान के अनुच्छेद 178 के उपबन्धों के अनुसार विधान सभा द्वारा अध्यक्ष का निर्वाचन न कर लिया जाय, संविधान के अनुच्छेद 179 के द्वितीय परन्तुक के अधीन रहते हुये, अध्यक्ष का पद रिक्त होने पर अध्यक्ष पद के कर्तव्यों का पालन करने के लिए नियुक्त करता हूं।"

विधान सभा के अध्यक्ष का निर्वाचन तथा नव निर्वाचित अध्यक्ष, श्री हरी किशन को बधाई

श्री कार्यकारी अध्यक्ष–

माननीय मुख्य मंत्री जी, माननीय नेता विरोधी दल माननीय सदस्यगण, जैसा कि आपको मालूम है, आज का दिन अध्यक्ष पद के निर्वाचन के लिए नियत किया गया है। नियमानुसार नाम निर्देशन पत्र दिनांक 8 जनवरी, 1990 के मध्याह्न 12 बजे के पूर्व आ जाने चाहिए थे। उक्त अवधि के अंदर जो नाम निर्देशन पत्र प्राप्त हुये हैं उनका विवरण इस प्रकार से है :–

नाम निर्देशित अभ्यर्थी	प्रस्थापक	समर्थक
1–श्री हरी किशन	श्री मुलायम सिंह यादव	श्री सच्चिदानन्द
2–श्री हरी किशन	श्री नारायण दत्त तिवारी	श्री प्रमोद तिवारी
3–श्री हरी किशन	श्री राम चन्द्र बख्श सिंह	श्री दिवाकर विक्रम सिंह
4–श्री हरी किशन	श्री सत्य प्रकाश विकल	कुंवर रेवती रमण सिंह
5–श्री हरी किशन	श्री राजेन्द्र कुमार गुप्त	श्री विजय सिंह राणा

उक्त 5 नाम निर्देशन पत्रों में एक ही नाम का प्रस्ताव है। अतः प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली के नियम 8 के उप नियम 3 (क) के अनुसार इस निर्वाचन के लिए औपचारिक प्रस्ताव करना आवश्यक नहीं है और मैं माननीय हरी किशन को अध्यक्ष पद के लिए सर्व सम्मति से निर्वाचित किये जाने की घोषणा करता हूं।

(मेजों की थपथपाहट।)

मेरा यह सौभाग्य है कि आज मैं अध्यक्ष पद की बागडोर श्री हरी किशन जी को सुपुर्द करता हूं और आप सबका आभारी हूं जो आपने मुझे सहयोग दिया, कठिन परिस्थितियों में सहयोग दिया, मैं उसका भी आभारी हूं। मैं अपने भूतपूर्व उपाध्यक्ष

जी का भी बेहद आभारी हूं कि बिना उनके सहयोग और मदद के 5 साल स्पीकरशिप चलाना मुश्किल होता । मैं अपने स्टाफ और सेक्रेटरी असेंबली श्री शुक्ला जी का भी आभारी हूं कि उन्होंने जो कुछ मेरी कमियां थीं उनको पूरा करने की कोशिश की । जो मैंने इन 5 सालों में आपसे सीखा है उसके लिए भी मैं आभारी हूं । असेंबली सेक्रेटेरियट, पूरी गवर्नमेंट का भी मैं आभारी हूं क्योंकि स्पीकर का रिश्ता तो पूरी सरकार से रहता है खासतौर से जब सवाल और जबाब का मामला होता है । श्री हरी किशन जी का जन्म 8 फरवरी, 1930 को कानपुर में हुआ था । उन्होंने कानपुर से विधि स्नातक की उपाधि प्राप्त की है । उनका विवाह 15 फरवरी, 1956 को सुश्री विनोदनी श्रीवास्तव से हुआ । उनके एक पुत्र तथा तीन पुत्रियां हैं । वे लगभग 59 वर्ष के हैं ।

श्री हरी किशन जी 6 मई, 1972 से 22 जून ,1977 तक विधान परिषद् के सदस्य रहे, तत्पश्चात् वर्ष 1977-1980 एवं 1989 में विधान सभा के सदस्य निर्वाचन क्षेत्र चौबेपुर, कानपुर से चुने जाते रहे । श्री हरी किशन जी उत्तर प्रदेश विधान परिषद् में विरोधी दल के नेता रहे । 7 मार्च, 1979 से 17 फरवरी, 1980 तक श्री बनारसी दास मंत्रि-मण्डल में स्वायत्त शासन, नगरपालिका, नगर भूमि, राष्ट्रीय एकीकरण, राजनैतिक पेंशन, खेलकूद, युवक कल्याण तथा सांस्कृति कार्य के मंत्री रहे । उन्होंने विभिन्न आन्दोलनों के संबंध में वह दो बार राजनीतिक बन्दी रहे । मीसा तथा डी0 आई0 आर0 के अंतर्गत भी निरुद्ध रहे । वे स्वतंत्र पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य, भारतीय लोकदल की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य तथा लोकदल के महामंत्री रहे । आपने 1960 से 1965 तक साप्ताहिक ''होशियार'' का सम्पादन भी किया है । आपकी अध्ययन में विशेष रुचि है ।

मैं नेता सदन से और नेता विरोधी दल से निवेदन करूंगा कि वे श्री हरी किशन जी को ढूंढ़ करके लायें ।

(माननीय मुख्य मंत्री तथा नेता विरोधी दल श्री हरी किशन जी के पास तक गये और उन्हें अपने साथ अध्यक्ष-मंच तक लाये और श्री हरी किशन जी को अध्यक्ष आसन पर पीठासीन कराया ।

(इस समय 11 बजकर 7 मिनट पर नवनिर्वाचित अध्यक्ष, श्री हरी किशन अध्यक्ष पीठ पर पीठासीन हुए)

*मुख्य मंत्री (श्री मुलायम सिंह यादव)--

मान्यवर, इस महान विधान सभा के चौदहवें अध्यक्ष के रूप में मैं आपका स्वागत करता हूं, अभिनन्दन करता हूं । जिस प्रकार से सभी पक्षों ने आपका चयन जो किया है, उससे आपकी विद्यता और आपकी योग्यता को सभी ने निर्विवाद रूप से स्वीकार किया है और इसके लिए मैं विशेष तौर से माननीय नेता विरोधीदल का बहुत-बहुत आभारी हूं और इसके साथ-साथ सभी दलों के नेताओं ने आपके चयन में जो विश्वास व्यक्त किया है और सहयोग किया है उनका भी मैं बहुत ही आभारी हूं ।

मान्यवर, यह देश की सबसे बड़ी विधान सभा है और बड़ी विधान सभा के साथ-साथ जहां पर आप मान्यवर, बैठे हुए हैं वहां से बड़े-बड़े शक्तिशाली और ऐतिहासिक

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया ।

निर्णय भी हुए हैं । आज आप जहां सुशोभित हैं, इस कुर्सी पर श्री टंडन जी भी बैठ चुके हैं और जहां पर जिस कुर्सी पर आप बैठे हैं यह एक न्याय-तुला है । आपके न्याय और निर्णय पर किसी को अविश्वास नहीं होता है और जहां आप मान्यवर, सुशोभित हैं वहां अन्याय और पक्षपात की कल्पना भी नहीं की जा सकती है । आप विद्वान हैं, आप जानते हैं कि एक बार टंडन जी के निर्णय पर मुस्लिमलीग के एक माननीय सदस्य ने बाहर टिप्पणी की थी और उसी वक्त माननीय टंडन जी ने अपने पद से त्यागपत्र की घोषणा कर दी थी और उसके बाद सभी मुस्लिमलीग के सदस्यों ने क्षमा याचना की तब उन्होंने अपना इस्तीफा देने की घोषणा को वापस लिया । तो उन्होंने ऐसे ऐतिहासिक निर्णय दिये हैं ।

मान्यवर, आप अनुभवी हैं, आपको दोनों सदनों का अनुभव भी है, विधान परिषद् में भी आप नेता के रूप में रह चुके हैं, सरकार में भी रह चुके हैं । छात्र जीवन से लेकर लगातार तमाम संस्थाओं में भी आपने काम किया है । आप निष्पक्ष हैं इसीलिए आज सभी पक्षों ने जिस तरह से आपका चयन किया, ऐसे मौके बहुत कम आये हैं जहां पर किसी प्रकार की शंका भी आप पर नहीं व्यक्त की गयी । आपके निर्णयों पर सभी माननीय सदस्यों को विश्वास होगा, आपके निदेशों का पालन करेंगे, आप पर विश्वास है वही पर सारे माननीय सदस्यों पर आपको भी विश्वास और भरोसा होगा । आपके निदेशों का, आपके जो भी निर्णय होगें उनको सभी सहर्ष स्वीकार करेंगे । हमें विश्वास है कि जिस प्रकार महान इस विधान सभा में जो परम्पराएं कायम हुई हैं, पिछले दिनों आपकी इस पीठ से कोई ऐसा ऐतिहासिक निर्णय होगा, परम्पराएं पड़ेगी जिससे लोकतंत्र मजबूत होगा । इन्हीं शब्दों के साथ मैं आपका पुनः अभिनन्दन करता हूं, स्वागत करता हूं और आपको विश्वास दिलाता हूं कि मैं और सत्तापक्ष का एक-एक माननीय सदस्य आपके निर्णय को आपके आदेशों का पालन करेगा ।

(मेजों की थपथपाहट)

*नेता विरोधी दल (श्री नारायण दत्त तिवारी)–

महा माननीय अध्यक्ष महोदय, मुझे अन्तर के अन्तरतम से प्रसन्नता है, कि आप जैसे पुराने सहयोगी व राजनीति के अनुभवी जानकार और संसदीय पद्धतियों के जानकार आज हमारे इस भारत के सबसे प्रख्यात व सबसे महत्वपूर्ण विधान सभा के चौदहवें अध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं । मैं आपको हार्दिकतम बधाई देता हूं । सदन के मुझ सेवक को यह सौभाग्य प्राप्त हुआ है कि इस सदन में जो आपसे पूर्व सम्मानित 13 अध्यक्ष हुए हैं, उनका दर्शन लाभ करने, उनसे कुछ सीखने और उनको श्रवण करने का और उनकी जो भिन्न भिन्न समयों पर उनके द्वारा जो रूलिंग दी गयी , निर्णय दिये गये, उनका अध्ययन, मनन करने का सौभाग्य मुझे प्राप्त रहा है । दर्शक दीर्घा से स्वनामधन्य बाबू पुरुषोत्तम दास टण्डन जी को सुनने का मौका भी मिला । श्री नफीसुल हसन, जब मैं पहली बार चुना गया, तब वह कार्यवाहक अध्यक्ष रहे । उसके बाद श्री आत्माराम गोविन्द खेर, श्री मदन मोहन वर्मा, श्री जगदीश शरण अग्रवाल, श्री वासुदेव सिंह, श्री बनारसी दास, श्री श्रीपति मिश्र, श्री धर्म सिंह और उसके बाद निवर्तमान अध्यक्ष श्री नियाज हसन के माध्यम से समय-समय पर इस सदन की सेवा का अवसर प्राप्त हुआ । इस बात का साक्षी है यह सदन कि इन सभी योग्यतम महानुभावों ने समय-समय पर अपनी अध्यक्षता के द्वारा इस सदन की गरिमा और मान सम्मान को बढ़ाने और संसदीय पद्धति; लोकतां-

त्रिक पद्धति को इस सदन के माध्यम से प्रतिष्ठापित करने का काम किया है। आज यह महत्वपूर्ण दायित्व आपके कंधों पर आया है। जैसा कि नेता सदन ने बहुत ही उचित कहा है कि स्वनामधन्य टण्डनजी का उदाहरण आपके सामने प्रस्तुत है। टण्डनजी ने केवल दलों की ही नहीं हर एक सदस्य की भावनाओं को ध्यान में रखा और यहां तक कहा कि एक भी सदस्य मेरी तटस्थता और निर्वादिता पर संदेह करता है तो मैं तत्काल त्याग-पत्र देने के लिए तैयार हूं।

नेता सदन ने जो यह मापदण्ड स्थापित करने का आपसे आग्रह किया है, मैं समझता हूं कि यह प्रत्येक मा0 सदस्य की भावना है। मुझे विश्वास है कि आप अपने स्तर पर इस बात का पूरा प्रयास करेंगे कि वह पुराने मापदण्ड, जिन्हें लागू करना कभी-कभी बड़ा कठिन होता है, मैं मानता हूं कि इनको आप कायम रखने में समर्थ होंगे। अभी निवर्तमान अध्यक्ष जी ने कृपा पूर्वक आपके संक्षिप्त जीवन परिचय से इस सदन को सूचित किया उसमें दो बातें मुझे सुनने को मिली। आप एक ओर तो शासन में अन्य विभागों के साथ-साथ राष्ट्रीय एकीकरण मंत्री रहे, दूसरे विधान परिषद् में नेता विरोधी दल रहे। तो शासन और विरोधी दल दोनों का अनुभव कार्य रूप में आपको इस सदन में भी और दूसरे सदन में भी व्यवहृत करने का अवसर मिला और यह भावना और अनुभव विरोधी दलों और आपके बीच समायोजन बनाये रखने में सहायक होगा। इसके अलावा राष्ट्रीय एकीकरण विभाग का अनुभव भी, आप जो निर्णय लेंगे, सदन में जो कार्यवाही होगी, उससे सहायक होगा, उससे राष्ट्र की एकता मजबूत होगी, इन गुणों के प्रभाव से प्रदेश आगे बढ़ेगा और देश की एकता मजबूत होगी जिसकी आज सबसे बड़ी आवश्यकता है। इन दोनों सदनों में आपके नेतत्व की क्षमता सहायक होगी, इसमें मुझे संदेह नहीं है। श्रीमन्, आपने देखा होगा, इस बीच में यदा कदा विधान मण्डल जो संसार के अनेक देशों में है उनकी कार्यवाही चलाना जरा कठिन होता जा रहा है। कभी-कभी हम जैसे लोग आवेश में नियमों के बाहर चले जाते हैं और जो हम अपने राजनीतिक भाषणों, क्रियाकलापों के बाहर कार्य के आदी होते हैं, उन्हीं को संसद या विधान मण्डलों में, उनकी पुनरावृत्ति करने के आदी हो जाते हैं। यह सब रोक सकना और भी कठिन हो जाता है। मुझे विश्वास है कि आपकी अध्यक्षता में ऐसा वातावरण विधान सभा में रहेगा जिससे कि महत्व-पूर्ण विषयों पर हम वास्तविक चर्चा कर सकेंगे, मुद्दों पर चर्चा कर सकेंगे, सगम्भीर वातावरण हो और अनावश्यक तनाव न हो, यह संसदीय प्रजातंत्र का मर्म है।

मुझे विश्वास है कि आपकी अध्यक्षता में हम सभी अपने विधायकी दायित्व को भलीभांति निभा सकेंगे। जो नेता सदन ने यह कहा कि सत्ता पक्ष का पूरा सहयोग मिलेगा, यह बहुत शुभ है। मैं समझता हूं कि विरोध पक्ष के भी हम लोग नियमावली के अन्तर्गत, प्रक्रिया के अन्तर्गत, संविधान के अन्तर्गत, जो भी कुछ मर्यादायें हैं, उनका अनुपालन करते हुए आपकी सेवा में प्रस्तुत रहेंगे। मैं इस अवसर पर निवर्तमान अध्यक्ष सम्मानित श्री नियाजहसन की सदन के प्रति व प्रदेश के लिये पूर्ण सेवाओं के प्रति भी, आदर के साथ उल्लेख करना चाहता हूं। इस बीच में और उसके पहले पिछली विधान सभा के सत्र में भी, बहुत से हम लोग दोबारा चुनकर आये हैं, यह नवीं विधान सभा का सत्र नहीं है, उन्हें पुनः चुने जाने पर हार्दिक बधाई देता हूं, लेकिन फिर भी मैं अपना कर्तव्य समझता हूं कि माननीय नियाज साहब की स्मरणीय सेवायें जिनके द्वारा पिछले विधान सभा के भिन्न भिन्न सत्रों में विवाद से ऊपर उठकर जिस

प्रकार उन्होंने सभी सदस्यों व पक्षों को परामर्श दिया, निष्पक्षता बरती, अधिक से अधिक बोलने का मौका दिया, कठिन परिस्थितियों में दायित्व निभाने की चेष्ठा की उनका नाम इस विधान सभा के इतिहास में अंकित रहेगा व उनके कार्यकलापों, निर्णयों को सदैव याद रखेगा।

साथ ही साथ मैं निवर्तमान उपाध्यक्ष श्री त्रिलोक चन्द्र, अधिष्ठाता मण्डल के सदस्यों तथा विधान सभा की समितियों को एवं सचिव महोदय तथा सभी कर्मचारियों को उनका दायित्व भली प्रकार निर्वहन करने के लिये हार्दिकतम बधाई देता हूं। कृपया हमारी भावना को आप उन सभी तक पहुंचाने का कष्ट करें। साथ ही साथ मुझे विश्वास है कि आप कृपया इस बात की पूरी चेष्टा करेंगे कि नेता सदन और विरोधीदल के विभिन्न पक्षों के नेताओं के परामर्श से हमारा इस प्रकार का कार्य यहां होगा कि हमारी वर्तमान विधान सभा का पांच साल का सत्र इस प्रकार चलेगा कि जो पिछली विधान सभाओं के सत्रों की तुलना में अधिक निर्णयात्मक हो, अधिक मुद्दों पर बहस करने वाला हो, अधिक चिन्तनशील हो और उत्तर प्रदेश के विकास में, उत्तर प्रदेश की शासन पद्धति को सुधारने में, अधिक योगदान दे सके–प्रभावी योगदान दे सके और जो संविधान में अधिकार है विधान सभा का उनका पूरा उपयोग हो सके। यह आपके नेतृत्व में संभव होगा ऐसा मुझे विश्वास है। इन्हीं शब्दों के साथ फिर आपको हार्दिकतम बधाई देता हूं।

*श्री कल्यान सिंह–

मान्यवर, देश की सबसे बड़ी विधान सभा के इस गरिमामय उच्च आसन पर आपको आसीन देखते हुए हम सभी को हार्दिक प्रसन्नता हो रही है। इस अवसर पर मान्यवर, मैं आपको दोहरी बधाई देना चाहता हूं, एक तो आप इस आसन पर निर्वाचित हुए हैं आसन को ग्रहण किया इसके लिए हार्दिक बधाईयां हैं और दूसरी बधाई इसलिए देता हूं कि मेरी आपनी जानकारी में कदाचित उत्तर प्रदेश की विधान सभा में यह पहला अवसर है जब आपका नाम निर्देशन सत्ता पक्ष की ओर से भी किया गया और विपक्ष की ओर से भी किया गया है। यह बात ठीक है कि अभी तक अध्यक्ष की कुर्सी पर सर्वसम्मति से ही निर्वाचन होता रहा है और आज भी उसी प्रकार आपका निर्वाचन हुआ है। परन्तु आज एक विशेष बात जो मेरी जानकारी में आयी है, जिसकी जानकारी मुझे पहले नहीं थी, वह यह है कि सत्ता पक्ष और विपक्ष के नेताओं ने मिलकर के आपका नामांकन पत्र प्रस्तुत किया। यह इस बात का प्रतीक है कि इस सदन में एक भी दल और एक भी सदस्य ऐसा नहीं है, जिसका विश्वास आपके ऊपर न हो। आप संसदीय परम्पराओं के ज्ञाता हैं, आपको शासन पक्ष का भी अनुभव है और आपको विरोध पक्ष का भी अनुभव है। आपकी योग्यता और संसदीय ज्ञान की जानकारी को देखते हुए मुझे विश्वास है कि आप सदन की कार्यवाही को सुचारू रूप से सफलतापूर्वक चलाने में समर्थ सिद्ध होंगे। मैं मान्यवर, दो बातें कहना चाहता हूं। चाहे विधान सभा की कार्यवाही चलाने का प्रश्न हो और चाहे लोकतंत्र की गाड़ी को चलाने का प्रश्न हो, जहां इसमें सत्ता पक्ष एक पहिया है, वहीं विपक्ष भी दूसरा पहिया है और जिस आसन पर आप बैठे हैं, उस आसन पर बैठने वाला व्यक्ति इस गाड़ी का एक कुशल गाड़ीवान है जिसको सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच संतुलन बनाकर चलाने का काम करना होता है।

मैं चाहता हूं कि इस सदन के अन्दर जनजीवन से जुड़े हुये सवालों पर उन्मुक्त अंतर्कंठ से परिचर्चा हो और उसके लिए यह आवश्यक है कि अधिक से अधिक समय चर्चा

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

के लिए, डिबेट के लिए इस सदन में उपलब्ध हो, उसके लिए मैं त्रिपक्षीय उत्तरदायित्व महसूस करता हूं । सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से चल सके, इसकी जिम्मेदारी जहां सत्ता पक्ष की है, वहीं विपक्ष की भी है और अध्यक्ष उसमें उभय पक्ष होता है, इसलिए इसमें दायित्व आपका भी होगा, सत्ता पक्ष का भी होगा और विपक्ष का भी होगा कि आप प्रदेश की जलती हुयी समस्याओं पर चर्चा करके इनका कोई उचित हल निकालें। यह बहुत कुछ निर्भर करेगा, इस पीठ पर बैठने वाले अध्यक्ष के निर्णय के आधार पर। प्रदेश के विकास में सभी साझेदारी हो, इसके लिए सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ही समान रूप से जिम्मेदार हैं, सभी जनता के चुने हुए प्रतिनिधि हैं। यह तो एक संयोग की बात है कि आज कौन सत्ता में है और कौन विपक्ष में है और कल कौन सत्ता में था। लोकतंत्र में ऐसा नहीं होता है कि जिस चीज को आपने एक बार पकड़ लिया उसको आप छोड़ेंगे नहीं। लोकतंत्र में सबसे जरूरी यही है कि प्रदेश की जनता से जुड़े हुए सवालों का, समस्याओं का समाधान खोजने के लिए सबका बराबर सहयोग हो और यही सबकी जिम्मेदारी भी है । इस नाते मैं चाहता हूं कि अधिक से अधिक ऐसे सवालों पर परिचर्चा हो और उसके लिए अधिक से अधिक समय आपके माध्यम से सब सदस्यों को मिलना चाहिए । एक दूसरी बात कहना चाहता हूं कि आप जिस कुर्सी पर विराजमान हैं, वह संरक्षक हैं और आप संरक्षक हैं, इस सदन के प्रत्येक माननीय सदस्य के अधिकारों के ।

हमें विश्वास है कि आप जैसे सुयोग्य व्यक्ति जिस कुर्सी पर बैठे हैं, उसके बारे में कोई भी माननीय सदस्य यह महसूस नहीं करेगा कि वहां से उसके अधिकारों का हनन हो हो रहा है। आप जिस आसन पर विराजमान हैं, वह आसन दलगत राजनीति के दलदल से ऊपर उठकर एक कमल के समान है और आप अपने व्यवहार से यह सिद्ध कर देंगे कि आप किसी प्रकार की दलगत राजनीति से बहुत ऊपर हैं । परम्परा अभी तक यही रही है कि वहां बैठने वाले व्यक्ति तत्काल इस बात की घोषणा करते हैं कि वह अब पूरे सदन से संबंधित हैं, सदन में बैठने वाले प्रत्येक सदस्य से उनका संबंध हो गया है और वहां बैठने वाला व्यक्ति समूचे सदन का हो जाता है तथा किसी दल का नहीं रह जाता है। अन्त में उसी बात को दोहराना चाहता हूं जो माननीय नेता सदन व माननीय नेता विरोधी दल ने कहा । मैं समझता हूं कि 100 पुस्तकें पढ़ने की आवश्यकता नहीं है । स्व0 राजर्षि पुरुषोत्तम दास टण्डन जी का एक वाक्य ही पर्याप्त है उस आसन पर बैठने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए, चाहे आज उस जगह पर आप बैठे हैं और आने वाला कोई और व्यक्ति बैठे । एक ऐसा वाक्य जो प्रेरणा देने वाला है, एक दिशा देने वाला है और उस कुर्सी की गरिमा और कर्तव्यों को पूरा करने वाला वाक्य है ।

स्व0 टण्डन जी ने कहा था कि दल की बात छोड़ दीजिए, यदि माननीय सदन का कोई भी माननीय सदस्य अगर कह दे कि मेरा अविश्वास है अध्यक्ष की कुर्सी के प्रति तो मैं तत्काल कुर्सी छोड़ दूंगा। ऐसी घटना घटित भी हुई। सारे सदन ने उनसे क्षमा मांगी और कहा कि यह गलती से हो गया। हम सबका आपके प्रति विश्वास है । यह एक वाक्य ही बेहतर होगा । मेरा सुझाव है कि माननीय अध्यक्ष जी अपने कक्ष में ऐसा एक वाक्य लिखकर टंकवा दें कि जिस दिन इस आदरणीय सदन का एक भी माननीय सदस्य इस कुर्सी के प्रति अपना अविश्वास व्यक्त करेगा, उस दिन वह इस कुर्सी को छोड़ देंगे । यह एक वाक्य जब-जब नजर आयेगा, तब-तब वह प्रेरणा का काम करता रहेगा । यह एक वाक्य पर्याप्त है, 100 पुस्तकों को पढ़ने की आवश्यकता नहीं है । हमें विश्वास है कि आप जैसे सुयोग्य, संसदीय ज्ञान से पूर्ण अध्यक्ष के नेतृत्व

में सदन का कार्य बहुत ही सुचारू रूप से चलेगा और साथ ही आप अपने दायित्वों का निर्वहन सफलतापूर्वक करेंगे । मैं अपनी ओर से और अपने दल की ओर से आपको विश्वास दिलाता हूं कि इस सदन की कर्यवाही का सुचारू रूप से संचालन के काम में हमारा पूरा सहयोग मिलता रहेगा । मेरे आपके प्रति अटूट विश्वास है और रहेगा । इन शब्दों के साथ मान्यवर, आपको इस सबसे बड़े आसन पर आसीन देखकर और सर्वसम्मति से निर्वाचित देखकर मुझे अति प्रसन्नता हो रही है । मैं आपको अपनी ओर से और अपने दल की ओर से हार्दिक बधाई देता हूं ।

श्री राम चन्द्र बख्श सिंह–

मान्यवर, मैं अपनी ओर से और अपने दल की ओर से इस देश की सबसे बड़ी विधान सभा के अध्यक्ष चुने जाने पर आपका अभिनन्दन करता हूं और बधाई देता हूं । हमें विश्वास है कि जिस तरह से एक मत होकर इस विधान सभा ने आपको चुना है, आपकी तरफ से हम सबको उचित मार्ग दर्शन मिलता रहेगा । पिछले 5 वर्षों के दौरान कभी-कभी ऐसे मौके आये जब हम सब लोगों ने यह महसूस किया कि जो जनता के प्रश्न ज्वलन्त हैं, उनके ऊपर पर्याप्त विचार-विमर्श नहीं हुआ, बल्कि किन्हीं कारणों से हम इधर-उधर चले गये । हमें विश्वास है कि आपकी अध्यक्षता में यह विधान सभा जनता के ज्वलन्त प्रश्नों, खासतौर से गांवों के लोगों, गरीब लोगों किसानों तथा महत्वपूर्ण कार्यों के सवालों पर विचार-विमर्श के लिए प्राथमिकता के आधार पर अवसर मिलेगा । हमें विश्वास है कि आपकी अध्यक्षता में यह विधान सभा ऐसे कार्य कलाप करेगा जिससे संसदीय जनतंत्र और परम्परायें मजबूत होंगी । साथ ही मैं यह भी कहना चाहता हूं कि निवर्तमान अध्यक्ष श्री नियाज हसन जी के भी हम लोग ऋणी हैं कि उन्होंने बड़ी संजीदगी से बड़ी गम्भीरता से, बड़ी कठिन परिस्थितियों में बहुत ही शिष्टता से इस सदन को चलाया, इसके लिए हम उनके आभारी हैं । मुझे विश्वास है कि उनका नाम विधान सभा में इतिहास में हमेशा अच्छे ढंग से लिया जायेगा । मैं अपने दल की ओर से यह विश्वास दिलाता हूं कि इस सदन की कार्यवाही के सचालन में हमारा पूरा सहयोग मिलता रहेगा। इन शब्दों के साथ मैं पुनः एक बार आपका अभिनन्दन करता हूं ।

श्री सुलेमान–

मान्यवर, इस देश की सबसे बड़ी विधान सभा के अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित होने के लिए मैं आपको अपनी ओर से और अपने दल बहुजन समाज पार्टी की ओर से मुबारकबाद पेश करता हूं और विश्वास दिलाता हूं कि नियमानुसार मेरा दल आपको पूरा सहयोग करेगा।

मैं कुछ न कहते हुए आपके लिये एक शेर पढ़ता हूं-

मेरी जिन्दगी यही है कि हर एक को फैज पहुंचे,
मैं चिराग रहगुजर हूं मुझे शौक से जलाओ।

श्री राज किशोर सिंह–

मान्यवर, मैं अपनी ओर से और अपने दल की ओर से आपके सर्वसम्मत चुनाव पर आपको हार्दिक बधाई देता हूं ।

मान्यवर, आप जिस कुर्सी पर विराजमान हैं, वह बहुत ही महत्वपूर्ण और गरिमापूर्ण है । आपके बारे में जैसी हमारे नेता, सदन ने भावनायें व्यक्त की हैं, मैं उनसे अपने आपको आबद्ध करता हूं । जैसा हमारे अन्य नेताओं ने कहा कि आप संसदीय

परम्पराओं के ज्ञाता हैं, इसीलिये हमारे इस सदन के सभी माननीय सदस्य आपसे यह अपेक्षा करते हैं कि उनके अधिकारों को, आपके इस पद पर रहते हुए, सुरक्षा प्रदान होगी। हमारा दल आपसे उम्मीद करता है कि प्रदेश की तमाम उन ज्वलन्त समस्याओं पर आप इस सदन में चर्चा करने का मौका देंगे, जिनसे हमारा जन-जीवन त्रस्त है। हमारे प्रदेश के किसानों के सामने जो कठिनाइयां हैं, हमारे प्रदेश के खेतिहर मजदूरों के सामने जो समस्याएं हैं, हमारे प्रदेश में जो अन्य समस्यायें हैं, जिनसे जन-जीवन जर्जर हो रहा है, उन पर चर्चा के लिये इस सदन में मौका देंगे। उन तमाम अधिकारों की सुरक्षा के लिये कृत संकल्प रहेंगे, जिनके विषय में माननीय सदस्य आपसे उम्मीद रखते हैं। आपका चुनाव केवल दलों के प्रमुख नेताओं की तरफ से ही नहीं हुआ है बल्कि इसका अर्थ यह है कि इस सदन के सभी माननीय सदस्यों का मत आपको प्राप्त है और आप सर्व-सम्मति से चुने गये हैं। आपसे उम्मीद करूंगा कि आप उन संसदीय परम्पराओं की रखवाली करेंगे और रक्षा करेंगे। इसके साथ ही मैं अपनी ओर से और अपने दल की ओर से आपका अभिनन्दन करता हूं और आपको बधाई देता हूं।

*श्री राजधारी–

माननीय अध्यक्ष जी मैं अपने दल की तरफ से और अपनी तरफ से माननीय अध्यक्ष जी को बधाई देता हूं और उम्मीद करता हूं कि प्रदेश के करोड़ों अकिंचन गरीब लोग, जो गांव के लोग हैं, जो इस विधान सभा से आशा लगाये हैं, उनके सवालों को सुनकर और उन पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करके यह सदन नया काम करेगा और आप सबकी कठिनाइयों का समान रूप से आदर करेंगे। पुनः आपको धन्यवाद देता हूं और बधाई देता हूं।

श्री अध्यक्ष–

माननीय नेता सदन, माननीय नेता, विरोधी दल, माननीय नेता, भारतीय जनता पार्टी, कम्युनिस्ट पार्टी, बहुजन समाज पार्टी और जनता पार्टी (जे0पी0) तथा सभी इस सदन के सम्मानित सदस्यगण, भारतवर्ष की सबसे बड़ी विधान सभा के उच्च स्थान पर अटूट विश्वास के साथ सर्वसम्मति जो आपने हमारा चयन किया है, हमें इस कुर्सी पर बैठाया है, उसके लिये मैं आपको धन्यवाद देता हूं और आपका आभारी हूं। मुझे इस बात का भी गौरव प्राप्त है कि इस सदन में लगभग 50 प्रतिशत सदस्य ऐसे हैं जिनसे व्यक्तिगत मेरा परिचय है और उनके साथ राजनीति में कार्य करने क अवसर मिला है यह भी मेरे लिये बहुत बड़े सौभाग्य की बात है। साथ ही साथ एक और कि ऐसे नेता सदन और नेता विरोधी दल हमें मिले हैं कि जिनके अनुभव इस सदन के द्वारा इस सारे प्रदेश को मिलेगा।

हमने अपने देश में लोकतंत्र को अपनाया है, लोकतंत्र एक ऐसी पद्धति है जिसको सारा संसार स्वीकार करता जा रहा है। जिन देशों ने कुछ और पद्धतियों को स्वीकार किया था, आप जानते होंगे कि उन सबक ध्यान या उन सबकी ललक इस पद्धति की ओर होती जा रही है और यही एक कारण है कि आज दूर-दूर के क्षेत्रों के प्रतिनिधि के रूप में सदस्यगण चुने जाते हैं और उन सबकी आवाज इस सदन में गूंजती है। उसी पद्धति का यह प्रतिबिम्ब आपके सामने है कि नेता विरोधी दल इस सदन में पूर्व में उस ओर बैठते थे और नेता सदन इस ओर बैठते रहे हैं।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

आज इस अवसर पर आप जो विश्वास व्यक्त कर रहे हैं उसके पीछे यही भावना है कि हमारे देश के कर्णधारों ने इस पद्यति को स्वीकार किया । मुझे आपसे विशेष रूप से इस अवसर पर यह निवेदन करना है कि परिवर्तन का नाम सब जगह लिया जाता है । परिवर्तन करने की बात कही जाती है तो परिवर्तन शासन परिवर्तन तक सीमित न रहकर परिवर्तन हर क्षेत्र में अपनाना चाहिये । मैं ऐसा समझता हूं कि जहां पर आदरणीय तिवारी जी ऐसे नेता विरोधी दल हैं, . मा0 कल्याण सिंह जी जैसे अनुभवी व्यक्ति हैं, वह इस ओर विशेष ध्यान देंगे । अक्सर यह देखा गया है और जो हमारे पूर्व में इस कुर्सी पर बैठे हैं उन्होंने अपने भाषण में पहले दिन ही कहा कि यह बड़ा कठिन कार्य मिला है, इसकी गुरुता का भार सम्भालना बड़ा कठिन पड़ता है, लेकिन जैसा कि माननीय तिवारी जी ने अपने भाषण में कहा कि हम चाहते हैं कि यहां पर जो चर्चायें हों, हम अपनी चर्चाओं के द्वारा इस प्रदेश का और देश का विकास देख सकें । हमारे प्रदेश की सबसे बड़ी विधान सभा एक परिवर्तन के रुप में नये ढंग से चल रही है ।

अक्सर यह देखा जाता है कि हमारी नियमावली के अन्तर्गत जो नियम हैं जैसे कि नियम 51, नियम 52, नियम 56, नियम 63 तथा नियम 301 के अन्तर्गत विवाद खड़े हो जाते हैं और उन विवादों में थोड़ी सी कठिनाई पीठासीन अधिकारी को अवश्य होती है, लेकिन अगर आप सभी की सहमति हो जाए और आप सभी लोग यहां बैठकर कुछ बातें तय कर लें तो मैं समझता हूं कि यह कठिनाई दूर हो जायेगी। इस प्रकार यहां पुरुषोत्तम दास टण्डन जी का नाम लिया गया । राजर्षि पुरूषोत्तम दास टण्डन जी एक आदर्श व्यक्ति थे और जब वे पीठासीन अधिकारी हुए तो उन्होंने कहा कि मेरा सम्बन्ध कांग्रेस पार्टी से है और बड़ा अटूट संबंध है जल्दी टूट नहीं सकता है, लेकिन इस कुर्सी पर बैठकर मेरी निष्पक्षता पर यदि किसी एक व्यक्ति ने भी उंगली उठायी तो मैं उसी दिन से अपने पद का त्याग कर दूंगा । मैं भी इसी प्रकार से विश्वास दिलाना चाहता हूं कि मैं भी एक राजनीतिक व्यक्ति हूं और तीस वर्षों का मेरा राजनीतिक जीवन है, जो एक सक्रिय कार्यकर्ता के रूप में बराबर बीता है और अभी भी एक सक्रिय कार्यकर्ता के रूप में ही एक दल के टिकट पर चुनकर आया हूं, लेकिन जो हमारा यह पद है, उसको नत-मस्तक करते हुए आप सभी को विश्वास दिलाना चाहता हूं कि यदि मैं आप सभी के हितों की रक्षा नहीं कर सका तो मैं अपने को एक बड़ा असफल व्यक्ति समझूंगा विशेषकर विरोध पक्ष जो सत्ता के विरोध में है उनको भी मैं विश्वास दिलाना चाहता हूं कि उनके मन में यह भावना रहनी चाहिए कि इस सदन के अन्दर उनके अधिकारों को कोई आंच ऐसी न आने पायेगी । सत्ता पक्ष यहां अपनी नीतियों को प्रस्तुत करता है और उस विधेयक को यहां प्रस्तुत करता है, जो इस सदन का कर्तव्य होता है, उनकी विधेयकों को वह वहां पेश करे और ठीक उसी तरह से विपक्ष भी अपनी टिप्पणियां प्रस्तुत करे ।

मैं चाहूंगा कि नियमों के अन्तर्गत जो बातें आती हैं, उनको सहर्ष स्वीकार किया जाए और इस सम्बन्ध में एक ऐसा उदाहरण प्रस्तुत करे कि यह जो 10वां विधान सभा बैठी है, उसमें माननीय नेता सदन के नेतृत्व में व अन्य माननीय नेताओं के नेतृत्व में तथा सभी मा0 सदस्यों के सहयोग से एक आदर्श रूप में यह विधान सभा अपने पूरे 5 वर्षों के कार्य-काल को पूरा करे । मैं इन्हीं शब्दों के साथ अपनी ओर से आप सभी को बधाई देता हूं और विश्वास दिलाता हूं कि जो कुछ भी भावनाएं आप सब ने व्यक्त की हैं, उसी के अनुरूप मैं कार्य कर सकूं, जय हिन्द ।

अब हम यह सदन स्थगित करते हैं, कल 11 बजे पूर्वाह्न में महामहिम राज्यपाल का अभिभाषण होगा और उसके बाद साढ़े बारह बजे पुन: हम लोग बैठेंगे ।

(इसके बाद सदन 11 बजकर 47 मिनट पर अगले दिन के 12 बजकर 30 मिनट तक के लिये स्थगित हो गया ।)

भाल चन्द्र शुक्ल,

सचिव, विधान सभा,

उत्तर प्रदेश ।

लखनऊ :

9 जनवरी, 1990

विधान सभा उत्तर प्रदेश

पी0 एस0 यू0 पी0–एल0 376 विधान सभा–(622)–1990–813 ।